भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-446

उत्तर देने की तारीख-05/02/2024

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और दूरस्थ शिक्षा अधिगम मंच

†446. श्री एस. जगतरक्षकनः

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 में छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और कौशल विकास को समृद्ध करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और दूरस्थ शिक्षा अधिगम मंचों की परिवर्तनकारी क्षमता को मान्यता दी गई है;

(ख) क्या एनईपी-2020 में सतत विकास अभियान में अनुसंधान और नवाचार की भूमिका को स्वीकार किया गया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) से (ग): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में छात्रों के सभी वर्गों में शैक्षणिक उत्कृष्टता और कौशल विकास को बढ़ाने जैसे एनईपी के प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण घटकों के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और दूरस्थ शिक्षण मंचों की परिवर्तनकारी क्षमता को पहचाना गया है। एआई और दूरस्थ शिक्षा को अपनाकर, एनईपी 2020 का लक्ष्य छात्रों को 21वीं सदी के कौशल से सुसज्जित करना, तेजी से विकसित हो रही दुनिया में उनकी शैक्षणिक और व्यावसायिक सफलता के लिए आवश्यक नवाचार, महत्वपूर्ण सोच और समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ावा देना है।

एनईपी 2020 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दूरस्थ मंच को महत्वपूर्ण तकनीकी उपकरण के रूप में उजागर किया गया है:

- अर्थव्यवस्था की भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में बहु-विषयक क्षमताओं के संयोजन के साथ, विशेष रूप से गणित, कंप्यूटर विज्ञान और डेटा विज्ञान को शामिल करते हुए एक कुशल कार्यबल बनाना।
- सभी स्तरों पर छात्रों में विभिन्न महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने के लिए, प्रासंगिक चरणों पर पाठ्यचर्या और शैक्षणिक पहल

- कई आगामी क्षेत्रों और व्यवसायों, जिनमें गणित और कम्प्यूटेशनल सोच शामिल हो, में भारत के भविष्य और भारत की नेतृत्वकारी भूमिका
- आगामी वर्षों में पुनः एक अग्रणी ज्ञानवान समाज बनने के लिए अनुसंधान का एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना
- तेजी से प्रमुखता प्राप्त कर रहे उन्नत क्षेत्रों में पेशेवरों को तैयार करने में अग्रणी भूमिका निभाना
- छात्र विकास के लिए, और शैक्षिक सॉफ़्टवेयर और हार्डवेयर के अन्य रूपों के लिए, जिससे न केवल कक्षा में छात्र क्या अधिगम करते हैं उसमें बदलाव होगा बल्कि वे कैसे अधिगम करते हैं, उसमें भी बदलाव होगा।
- दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों तक पहुंच हेतु, दिव्यांगों की अधिगम जरूरतों के समाधान हेतु और स्वयं/दीक्षा/स्वयं प्रभा जैसे बहु-मॉडल उपकरणों को एकीकृत करके शिक्षक प्रशिक्षण।
- सभी शिक्षार्थियों को उनकी क्षेत्रीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण सामग्री तक समान पहुंच प्रदान करना

इसके अतिरिक्त, एनईपी 2020 में शिक्षा क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचाना गया है। एनईपी 2020 में सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के महत्वपूर्ण लक्ष्यों और उद्देश्यों (एसडीजी) को अंगीकृत किया गया है और उसके अनुरूप बनाया गया है।

नीति की संकल्पना में युवाओं को एक वैश्विक नागरिक के रूप में विकसित करना है जो मानवाधिकारों, सतत विकास और जीवन के प्रति जिम्मेदारीपूर्ण प्रतिबद्धता में सहयोग करता है। एनईपी में अनुसंधान और नवाचार का क्षेत्र सतत विकास को गति देकर जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या गतिशीलता और प्रबंधन, जैव प्रौद्योगिकी आदि से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों का समाधान करता है।

इन विभिन्न तत्वों को सहक्रियात्मक तरीके से बनाने के लिए, एनईपी में एक राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ) की स्थापना की परिकल्पना की गई है, जिसका व्यापक लक्ष्य शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु समर्थकारी बनाना है। उक्त संस्था की स्थापना के लिए दिनांक 14 अगस्त, 2023 को भारत सरकार द्वारा एक अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन अधिनियम पारित और अधिसूचित किया गया है।

****